SET-1

Series SGN

कोड नं.
Code No. **29/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **4** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे
Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 100
Maximum Marks : 100

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20-30 शब्दों में लिखिए। **15**

वस्तुत: बोली गोली से अधिक असरदार होती है। हम शब्दों द्वारा ही औरों को अपना बनाते हैं और शब्दों से ही अपने पराये बन सकते हैं। कौन–सा शब्द कब कहाँ, किसके लिए बोलना है इसका ध्यान रखना ही औचित्य है और भाषा का यह औचित्य शब्द सौंदर्य का अहम हिस्सा है।

सच तो यह है कि शब्दों का दुरुपयोग प्राय: होता है और इस दुरुपयोग को रोकने का उपाय शब्दों का सदुपयोग ही है। विशेषणों के प्रयोग में हम प्राय: अति उत्साहवश या अज्ञातवश उनका दुरुपयोग करते हैं, ऐसे निरर्थक प्रयोग करते हैं कि स्थिति हास्यास्पद हो जाती है। सामान्य व्यवहार के लिए हमें बहुत बड़े शब्द भंडार या साहित्यिक अभिव्यक्तियों की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि सबका शब्द ज्ञान व्यापक हो यह आवश्यक नहीं।

अपनी बात को साफ शब्दों में और सफाई से कह पाना और उनसे वांछित अर्थ को प्रेषित कर पाना किसी तपस्या से कम नहीं है। तराशे हुए शब्दों से व्यक्ति का व्यक्तित्व झलकता है। शब्द बहुमूल्य होते हैं, उन्हें निरर्थक नहीं लुटाना चाहिए।

(क) आशय स्पष्ट कीजिए – 'बोली गोली से अधिक असरदार होती है'। **2**

(ख) भाषा के संदर्भ में 'औचित्य' किसे कहा गया है और क्यों? **2**

(ग) 'शब्दों का दुरुपयोग' से लेखक का क्या आशय है? उसे कैसे रोका जा सकता है? **2**

(घ) वक्ता की स्थिति कब हास्यास्पद हो जाती है? **2**

(ङ) ''शब्द बहुमूल्य होते हैं'' – आशय समझाइए। **2**

(च) लेखक ने किस काम को तपस्या से कम नहीं माना और क्यों? **2**

(छ) अवतरण का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए। **2**

(ज) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **1**

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए। 1x5=5

तुम तो, हे प्रिय बंधु, स्वर्ग-सी,
सुखद, सकल विभवों की आकर।
धरा शिरोमणि मातृभूमि में,
धन्य हुए हो जीवन पाकर।

जब तक साथ एक भी दम हो,
हो अवशिष्ट एक भी धड़कन।
रखो आत्मगौरव से ऊँची,
पलकें ऊँची सिर, ऊँचा मन।

सच्चा प्रेम वही है जिसकी
तृप्ति आत्मबलि पर हो निर्भर।
त्याग बिना निष्प्राण प्रेण है,
करो प्रेम पर प्राण निशावर।

(क) भारत-भूमि की दो विशेषताएँ बताइए।

(ख) भारत में जन्म लेना गौरव की बात क्यों है?

(ग) कवि ने सच्चे प्रेम की क्या पहचान बताई है?

(घ) जीवन के अंत तक हमें किस प्रकार रहना चाहिए?

(ङ) कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड – ख

3. निम्नलिखित में से *किसी एक* विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए। 10

(क) भ्रष्टाचार : एक विकट समस्या

(ख) भारत की सांस्कृतिक एकता

(ग) जियो और जीने दो

(घ) वर्तमान शिक्षा प्रणाली

4. अस्पतालों में चिकित्सकों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाओं पर अपने विचार व्यक्त करते हुए लगभग **150** शब्दों में एक पत्र किसी समाचार पत्र के संपादक को लिखिए। **5**

अथवा

भारतीय सुरक्षा बलों में महिलाओं की बढ़ती संख्या पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए देश की रक्षा मंत्री को पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20-30 शब्दों में लिखिए। **1x5=5**

(क) समाचार किसे कहते हैं?

(ख) संपादन से क्या तात्पर्य है?

(ग) मुद्रित माध्यम की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(घ) 'पीत पत्रकारिता' से आप क्या समझते हैं?

(ङ) 'विशेष रिपोर्ट' का क्या आशय है?

6. सैकड़ों यात्री किसी प्लेटफार्म पर रेलगाड़ी की प्रतीक्षा कर रहे थे। अचानक उद्घोषणा में बताया गया कि वह गाड़ी किसी अन्य प्लेटफार्म पर आ रही है। उसके बाद के घटनाक्रम का चित्रण करते हुए एक आलेख लगभग 150 शब्दों में लिखिए। **5**

खण्ड – ग

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 150 शब्दों में कीजिए। **8**

राघौ! एक बार फिरि आवौ।

ए बरबाजि बिलोकि आपने बहुरों बनहिं सिधावौ।

जे पय प्याइ पोखि कर-पंकज बार-बार चुचकारे।

क्यों जीवहिं मेरे राम लाड़िले! ते अब निपट बिसारे।।

भरत सौगुनी सार करत हैं अतिप्रिय जानि तिहारे।

तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिम मारे।।

8. निम्नलिखित में से *किन्हीं दो* प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30-40 शब्दों में दीजिए। **3x2=6**

(क) 'कार्नेलिया का गीत' में भारत की किन विशेषताओं का उल्लेख हुआ है?

(ख) अगहन मास की विशेषता बताते हुए विरहिणी नागमती की व्यथा को अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'सरोज स्मृति' में 'निराला' अपने समस्त कर्मों के फल से क्या करना चाहते हैं और क्यों?

9. निम्नलिखित में से *किन्हीं दो* काव्यांशों का काव्य सौंदर्य प्रत्येक 30-40 शब्दों में स्पष्ट कीजिए। **3x2=6**

(क) श्री रघुनाथ प्रताप की बात तुम्हें दशकंठ न जानि परी,

तेलनि तूलनि पूँछि जरी न जरी, जरी लंक जराइ-जरी।।

(ख) कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो –

खिली हुई हवा आई, फिरकी-सी आई, चली गई।

(ग) एक बूँद सहसा उछली सागर के झाग से;

रँग गई क्षण भर ढलते सूरज की आग से।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 150 शब्दों में कीजिए। 6

साहित्य का पांचजन्य समरभूमि में उदासीनता का राग नहीं सुनाता; वह मनुष्य को भाग्य के आसरे बैठने और पिंजड़े में पंख फड़फड़ाने की प्रेरणा नहीं देता। इस तरह की प्रेरणा देने वालों के वह पंख कतर देता है। वह कायरों और पराभव प्रेमियों को ललकारता हुआ एक बार उन्हें भी समरभूमि में उतरने के लिए बुलावा देता है।

11. निम्नलिखित में से *किन्हीं दो* प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक लगभग 50 शब्दों में दीजिए : 4x2=8

(क) औद्योगीकरण ने प्रकृति, मनुष्य और संस्कृति के बीच आपसी संबंधों को कैसे प्रभावित किया है? 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ख) ''गंगा-पुत्र के लिए गंगा मैया ही जीविका और जीवन है'' - आशय समझाइए।

(ग) 'संवदिया' कहानी में हरगोबिन बड़ी हवेली में पहुँचकर अतीत की किन स्मृतियों में खो जाता है? क्यों?

12. रामचन्द्र शुक्ल **अथवा** भीष्म साहनी के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचाय देते हुए उनकी भाषा-शैली की दो विशेषताओं पर लगभग **200** शब्दों में प्रकाश डालिए। 6

अथवा

घनानंद **अथवा** विष्णु खरे के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी दो काव्यगत विशेषताओं पर लगभग **200** शब्दों में प्रकाश डालिए।

खण्ड - घ

13. 'सूरदास की झोंपड़ी' कहानी से उभरने वाले जीवन-मूल्यों का उल्लेख करते हुए आज के संदर्भ में उनकी उपयोगिता पर लगभग **150** शब्दों में प्रकाश डालिए। 5

14. (क) 'विस्कोहर की माटी' पाठ में लेखक ने किन आधारों पर अपनी माँ की तुलना बतख से की है? लगभग **150** शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 5

(ख) 'अपना मालवा' पाठ में लेखक को क्यों लगता है कि आज की विकासशील और औद्योगिक सभ्यता उजाड़ की अपसभ्यता है? लगभग **150** शब्दों में लिखिए। 5

-o0o-